

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं समस्त केंद्रीय विद्यालय परिवार,
सप्रेम नमस्कार।

केंद्रीय विद्यालय संगठन, भोपाल संभाग की वेबसाइट पर आप सभी का हार्दिक स्वागत है। यह प्लेटफ़ॉर्म न केवल सूचना और संसाधनों का केंद्र है, अपितु यह हमारे साझा शैक्षिक दृष्टिकोण, मूल्यों और प्रयासों का प्रतिबिंब भी है। मुझे यह संदेश साझा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, भोपाल संभाग, केविस (मु०) नई दिल्ली के दिशा-निर्देशन में निरंतर राष्ट्रीय शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के उच्चतम मानदंडों को स्थापित करने के अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

भारत जैसे विविधता-सम्पन्न देश में शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं है, यह सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों, और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध की भावना का संवाहक भी है। केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना 1963 में भारत सरकार द्वारा इस उद्देश्य से की गई थी कि सैनिकों, अर्धसैनिक बलों, केंद्रीय कर्मचारियों और अन्य स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, सतत और एकसमान शिक्षा प्रदान की जा सके।

आज KVS न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी शिक्षा की एक सशक्त शृंखला बन चुका है, जिसमें लाखों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हजारों शिक्षक उन्हें ज्ञान, संस्कार और जीवन के मूल्य सिखा रहे हैं।

हमारे देश की नई शिक्षा नीति (NEP 2020) शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन का आह्वान करती है। यह केवल पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली में सुधार की बात नहीं करती, बल्कि यह समावेशी, बहु-विषयक, और छात्र-केंद्रित शिक्षा की बात करती है।

KVS ने NEP 2020 के मार्गदर्शक सिद्धांतों को अपनाते हुए कई महत्वपूर्ण पहलें प्रारंभ की हैं:

- Foundational Literacy and Numeracy (FLN) को प्राथमिक कक्षाओं में लागू करना।
- बहु-भाषिकता को प्रोत्साहन देना।
- कला एकीकरण (Art Integration) और खेल आधारित शिक्षा (Sports Integration) को कक्षा शिक्षण में समाहित करना।

21वीं सदी के कौशल जैसे कि आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, रचनात्मकता और डिजिटल साक्षरता पर बल देना। ये सभी प्रयास विद्यार्थियों को न केवल परीक्षा के लिए, बल्कि जीवन के लिए तैयार करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

हमारे कार्यरत शिक्षकगण न केवल ज्ञान के दाता हैं, बल्कि वे एक संरक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका भी निभाते हैं। एक शिक्षक की भूमिका अब केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है। वे विद्यार्थियों में जिज्ञासा उत्पन्न करते हैं, उन्हें आत्म-शिक्षण के लिए प्रेरित करते हैं, और एक उत्तरदायी नागरिक के रूप में ढालते हैं।

हमारे शिक्षकगण निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और नवाचारों के माध्यम से अपने शिक्षण को अद्यतन और प्रभावी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें गर्व है कि हमारे विद्यालयों में ऐसे शिक्षक कार्यरत हैं, जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर समर्पित रहते हैं।

KVS के विद्यार्थी पूरे देश में अपनी योग्यता, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के लिए पहचाने जाते हैं। विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, विज्ञान, खेल, कला, और संस्कृति के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ, तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर KVS के छात्रों की उपस्थिति हमें गर्व से भर देती है।

हमारा प्रयास है कि हर विद्यार्थी की विशेषताओं और रुचियों को समझते हुए उन्हें उस दिशा में अवसर प्रदान किए जाएँ, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। विद्यालयों में अब केवल किताबी ज्ञान पर ज़ोर नहीं, बल्कि समग्र विकास (Holistic Development) को प्राथमिकता दी जा रही है।

वर्तमान युग डिजिटल क्रांति का युग है। शिक्षा भी इससे अछूती नहीं रही है। विशेष रूप से COVID-19 महामारी के दौरान, KVS ने तकनीक को अपनाते हुए ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय पहल की।

हमने ई-कंटेंट, वर्चुअल क्लासरूम्स, शिक्षकों द्वारा बनाए गए डिजिटल संसाधन, और स्वयं पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म को प्रभावी रूप से अपनाया। भविष्य में भी हम तकनीक के माध्यम से शिक्षण और अधिगम को और अधिक रोचक, समावेशी और प्रभावशाली बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, हमारे विद्यालयों में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए ATL (Atal Tinkering Labs), Coding Clubs, Robotics Workshops जैसी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

KVS प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सामुदायिक सहभागिता को अत्यंत महत्व देता है। विद्यालय प्रबंधन समितियों में अभिभावकों की भागीदारी, विद्यालय स्तर पर खुली बैठकों का आयोजन, और अभिप्राय संग्रहण की प्रक्रिया हमें हमारी कार्यप्रणाली में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है।

हम अभिभावकों से अनुरोध करते हैं कि वे विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भाग लें, शिक्षकों से संवाद बनाए रखें और अपने बच्चों को सकारात्मक वातावरण प्रदान करें।

KVS का लक्ष्य न केवल अकादमिक उत्कृष्टता है, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करना है जो:

- विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाए,
- उनमें संवेदनशीलता और सहानुभूति का भाव विकसित करे,
- उन्हें नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रेरित करे,
- तथा भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को आत्मसात करते हुए आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाए।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय "ज्ञान, चरित्र और सेवा" के त्रिसूत्रीय मंत्र को आत्मसात करें और एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें जो शिक्षित, सशक्त और समृद्ध हो।

अंत में, मैं सभी विद्यार्थियों को यह संदेश देना चाहती हूँ कि अपने सपनों को साकार करने के लिए कठोर परिश्रम, अनुशासन और आत्म-विश्वास को अपना साथी बनाइए। हर चुनौती आपके लिए एक अवसर है, और हर असफलता सीखने की एक सीढ़ी।

शिक्षकों से अपेक्षा करती हूँ कि वे विद्यार्थियों के जीवन को मूल्यवान और अर्थपूर्ण बनाने में अपनी भूमिका को दृढ़ता से निभाएँ। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे विद्यालय के साथ मिलकर एक सशक्त भविष्य निर्माण में सहयोग करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे शैक्षिक वातावरण का निर्माण करें जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी स्वाभिमान, सक्षम और संवेदनशील नागरिक बनकर राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान दे सके।

धन्यवाद।

(शाहिदा परवीन)
उपायुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
भोपाल संभाग

Dear Students, Parents, Teachers, and the Entire Kendriya Vidyalaya Family,

Warm greetings to all.

It gives me immense pleasure to welcome you to the official website of Kendriya Vidyalaya Sangathan, Bhopal Region. This platform serves not only as a hub of information and resources but also as a reflection of our shared educational values, vision, and commitment. I am delighted to share this message as Kendriya Vidyalaya Sangathan, Bhopal Region, under the guidance of KVS (HQ) New Delhi, continues to strive towards setting the highest standards of excellence in the field of national education.

In a culturally diverse nation like India, education is not merely a medium of knowledge but also a vehicle for social harmony, moral values, and a strong sense of duty towards the nation. Kendriya Vidyalaya Sangathan was established by the Government of India in 1963 with the objective of providing quality, consistent, and uninterrupted education to the children of defence personnel, paramilitary forces, central government employees, and other transferable staff.

Today, KVS has evolved into a powerful educational network not only in India but also abroad, where lakhs of students are being nurtured by thousands of teachers who are committed to imparting knowledge, values, and life skills.

India's National Education Policy (NEP 2020) calls for a transformational shift in the educational system. It focuses not only on curriculum and examination reforms but emphasizes inclusive, multidisciplinary, and student-centric learning. In alignment with the guiding principles of NEP 2020, KVS has initiated several key reforms, such as:

- Implementation of Foundational Literacy and Numeracy (FLN) at the primary level
- Promotion of multilingual education
- Integration of art and sports into classroom learning
- Focus on 21st-century skills such as critical thinking, problem-solving, creativity, and digital literacy

All these initiatives aim to prepare students not only for examinations but for life.

Our dedicated teachers are not just providers of knowledge; they are mentors, guides, and motivators. Their role extends beyond the classroom as they inspire curiosity, promote self-learning, and shape students into responsible citizens. Through continuous training programs, workshops, and innovation, our teachers are committed to keeping their teaching practices updated and effective. We are proud to have such devoted educators working tirelessly for the bright future of our children.

Students of KVS are recognized across the country for their academic achievements, discipline, and ethical values. Their outstanding performance in board examinations, and their excellence in fields like science, sports, arts, and culture, along with their participation in national and international forums, bring us immense pride.

We strive to identify and nurture each student's unique talents and interests, providing opportunities that allow them to reach their full potential. The focus in our schools has shifted from rote learning to holistic development.

This is the era of digital revolution, and education is no exception. During the COVID-19 pandemic, KVS made commendable strides in adopting technology for online learning. We effectively implemented e-content, virtual classrooms, teacher-generated digital resources, and platforms like SWAYAM. We continue to work towards making teaching and learning more engaging, inclusive, and impactful through the integration of technology.

In addition, our schools are promoting innovation through ATL (Atal Tinkering Labs), Coding Clubs, and Robotics Workshops, encouraging students to think creatively and solve real-world problems.

KVS emphasizes transparency, accountability, and community participation in its academic and administrative activities. Parent participation in school management committees, regular open meetings, and feedback mechanisms help us strengthen and refine our operations.

We urge all parents to actively participate in school activities, maintain regular communication with teachers, and provide a positive and supportive environment for their children at home.

Our vision is not limited to academic excellence but extends to building an education system that:

- Prepares students to become global citizens
- Cultivates empathy, sensitivity, and compassion
- Inspires innovation and entrepreneurship
- Instills pride in India's rich cultural heritage while embracing modern technology

We aim to ensure that our schools uphold the triad of "Knowledge, Character, and Service" and contribute meaningfully to building an educated, empowered, and prosperous India.

In conclusion, I would like to encourage all students to embrace hard work, discipline, and self-confidence in the pursuit of their dreams. Every challenge is an opportunity, and every failure is a stepping stone to success.

To our teachers, I hope you continue to play a meaningful role in enriching the lives of your students. To our parents, I request your continued support in shaping a strong and capable future for our children.

Let us all work together to create an educational environment where every student grows into a proud, capable, and compassionate citizen, dedicated to serving the nation.

Thank you.